Marking Scheme Strictly Confidential (For Internal and Restricted use only) Senior Secondary School Examination, 2026 (XIIth) SUBJECT NAME : Applied Art/Commercial Art (Q.P. CODE 052/72)	
सामान्य निर्देश:-	
1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली <u>60</u> (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ: ● उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही

	होना चाहिए।) उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अनुप्रयुक्त कला - वाणिज्यिक कला –कोड 052
प्रणिदर्श प्रश्न पत्र*
कक्षा -XII (2025-26)

समय – 2 घंटे **अणिकिम अंक – 30**

क्रम सं.	खंड- क	अंक
	दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें	**1x8=8**
1.	(A) झूले पर कृष्ण	**1**
2.	(C) (A) **सत्य है**, **परन्तु** (R) **असत्य है।**	**1**
3.	(B) **पशुओं पर क्रूरता का**	**1**
4.	(B) **शांति और सत्य का**	**1**
5.	(D) **चाँदबीबी पोलो खेलते हुए ।**	**1**
6.	(C) गोपियाँ कृष्ण को अपनी प्रेमपूर्ण भक्ति अर्पित कर रही हैं।	**1**
7.	(C) (A) सत्य है और (R) असत्य है।	**1**
8.	(A) शाहजहाँ	**1**
	खंड-ख	**2x5=10**
9.	(i) कलाकार और मध्यम– 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) (ii) विषय वस्तु / भावना– 1 **अंक** **(a) भरत का राम से चित्रकूट में मिलाप** (i) **कलाकार** - गुमान **माध्यम** - कागज़ पर जल रंग (टेम्परा) (ii) **विषय वस्तु** - यह घटना रामायण से ली गई है। भरत अयोध्या के सभी वरिष्ठ नागरिकों तथा गुरुओं के साथ चित्रकूट में राम से मिलने जाते हैं। **भावना** - भाईचारा, गुरुओं/बड़ों का सम्मान, त्याग और भक्ति	**2** ½ ½ ½ ½
	या	
	(i) कलाकार और मध्यम– 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) (ii) विषय वस्तु और भावना– 1 **अंक** **(b) राम के द्वारा समुद्र का गर्वमर्दन** (i) **कलाकार** - राजा रवि वर्मा **माध्यत्म** : कैनवस पर तेल रंग (ii) **विषय वस्तु** - यह वाल्मीकि रामायण के एक घटनाक्रम पर आधारित है । रास्ता न देने पर राम क्रोध में समुद्र देवता पर निशाना साधते हुए । **भाव** - शक्ति, क्रोध, दृढ़ संकल्प	**2** ½ ½ ½ ½
10.	(i) चित्र का नाम व कलाकार – 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) (ii) विषय वस्तु और मानद उपाधि– 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक)	**2**

	(a) (i) **चित्र का नाम** – पक्षी विश्राम पर बाज **कलाकार** - उस्ताद मंसूर (ii) **विषय वस्तु** - गद्दी /पक्षी विश्राम पर आराम करते हुए शाही पालतू बाज का चित्रण यथार्थवाद , एक चश्म , पंखों, आँखों का विस्तृत चित्रण , देवनागरी लिपि, पीली पृष्ठभूमि जैसी खूबियाँ। **मानद उपाधि** - "नादिर-उल-असर"	½ ½ ½ ½
	या	
	(i) चित्र का नाम व कलाकार – 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) (ii) दो सौंदर्यात्मक विशेषताएं -1 **अंक** **(b)** (i) **चित्र का नाम** - कबीर और रैदास **कलाकार** - उस्ताद फकीरुल्लाह खान (ii) **दो सौंदर्यात्मक विशेषताएं** - शांत गाँव का जीवन, अपने काम में डूबे दोनों ध्यान लगाने वाले संतों का चित्रण, एकरंगा, सादा जीवन और उच्च विचार, सरल पृष्ठभूमि , शरीर रचना का चित्रण वगैरह।	**2** ½ ½ **1**
11.	(i) कलाकार और मध्यम– 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) (ii) दो मुख्य विशेषताएं– 1 **अंक** **(a) मारू रागिनी** (i) **कलाकार का नाम** - साहिबदीन **माध्यम** - कागज़ पर जल रंग / टेम्परा (ii) **शैली की मुख्य विशेषताएं** - यह चित्र राजपूत / राजस्थानी स्कूल से है। चमकीले एवं उज्जवल रंगों का प्रयोग , रेखाओं की सुंदरता, गहरे एवं सामंजस्य पूर्ण विरोधी रंग , शाही वेशभूषा और आभूषणों का चित्रण, प्रोफ़ाइल (एक चश्म)चेहरे, वगैरह।	**2** ½ ½ **1**
	या	
	(i) कलाकार और मध्यम– 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) (ii) दो मुख्य विशेषताएं– 1 **अंक** **(b) - गोवर्धनधारी कृष्ण** (i) **कलाकार का नाम** - मिस्किन **माध्यम** - कागज़ पर जल रंग / टेम्परा (ii) **शैली की मुख्य विशेषताएं**- यह चित्र मुगल स्कूल का है। भीड़युक्त संरचना, बहुरंगी पर्वत, गहरा नीला आकाश, मनुष्य, प्रकृति और पशु पक्षीयों का विस्तृत चित्रण । फ़ारसी(परशियन) का गहरा प्रभाव, धार्मिक विषयों का चित्रण, बारीक रेखाओं का प्रयोग , गहरे और संतुलित रंगों का प्रयोग, वगैरह ।	**2** ½ ½ **1**
12.	(i) **चित्र का नाम व मध्यम** – 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) (ii) **दो सौंदर्यात्मक गुण** –1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक)	**2**

	(A) (i) **चित्र का नाम** – **राधिका** **माध्यम** – **कागज़ पर जलरंग** / **वॉश एवं टेम्परा** (ii) **मुख्य विशेषताएँ** – **कोमल एवं लयात्मक रेखाओं का प्रयोग। सुंदर और कोमल मुद्रा ।रंगों का सौम्य एवं हल्का प्रयोग। प्रकाश और छाया का नाटकीय प्रभाव, पृष्ठभूमि में प्रकाश का विशेष उपयोग। कमल की कलियाँ एवं भाँवरे (मधुमक्खी) का चित्रण।**	½ ½ **1**
	या	
	(i) **कृति का नाम और संदेश** – 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) (ii) **संयोजन व्यवस्था**– 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) **(B)** (i) **कृति का नाम** – **बच्चे** (**चिल्ड्रन**) **संदेश – गरीब एवं वंचित समाज के प्रति सहानुभूति।** **आर्थिक समानता का संदेश।** (ii) **संयोजन व्यवस्था** – **एचिंग ग्राफ़िक प्रिंट, काले-सफेद रंगों का प्रभावशाली प्रयोग / खुरदरी सतह।** **कुपोषित एवं हड्डी जैसे दुबले शरीरों का चित्रण। फूले हुए पेट। आकृतियाँ समूह** **में खड़ी दिखाई गई हैं तथा माँ पीछे खड़ी दिखाई गई है । भूख और अभाव के** **शिकार लोगों का चित्रण।**	½ ½ **1**
13.	(i) उपशैली और कलाकार का नाम – 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) (ii) संयोजन की सौंदर्यात्मक विशेषता तथा विषय वस्तु – 1 **अंक** **(A) चौगान के खिलाड़ी** (i) **उप-शैली** – जोधपुर **कलाकार का नाम** – दाना (ii) **विषय-वस्तु** –राजकुमारियों का पोलो खेलते हुए चित्रण। नारी सशक्तिकरण का भाव। खेल का उत्साही एवं जीवंत वातावरण। **सौंदर्यात्मक विशेषता** – राजकुमारियों की सजावटी वेशभूषा एवं आकर्षक सिरपोश ।शाही आभूषणों का सुंदर चित्रण। शक्तिशाली एवं गतिशील सजावटी घोड़े।	**2** ½ ½ **1**
	या	
	(i) चित्र का नाम व मानवीय मूल्य– 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक)	**2**

	(ii) मुद्रा एवं परिधान– 1 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) **(B) हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया और अमीर ख़ुसरो** (i) **चित्र का नाम** – हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया और अमीर ख़ुसरो **मूल्य** –गुरु के प्रति सम्मान और भक्ति। गुरु एवं शिष्य के बीच आपसी आदर और श्रद्धा। (ii) **मुद्रा** –भूमि पर बैठे हुए। हज़रत निज़ामुदिन घुटनों को मोड़ कर बैठने की मुद्रा। वेशभूषा हरे रंग का चोगा और सूफ़ी शैली की पगड़ी पहने हुए।आमिर खुसरो घुटनों के बल बैठे हुए, वेशभूषा - मुगल शैली की कढ़ाईदार एवं समृद्ध वस्त्र के साथ पगड़ी पहने हुए।	½ ½ **1**
	SECTION - C	**6x2=12**
14.	(i) मूर्ति का शीर्षक, मूर्तिकार माध्यम, व्यक्तियों की संख्या – 2 **अंक** (प्रत्येक के लिए ½ अंक) (ii) संयोजन व्यवस्था / सौंदर्य विशेषताएँ – 2 **अंक** (iii) मूल्य तथा प्रासंगिकता– 2 **अंक** (i) **मूर्ति का शीर्षक**- श्रम पर विजय **मूर्तिकार** - देवी प्रसाद राय चौधरी **माध्यम** - ताँबे / सीमेंट **व्यक्तियों की संख्या** - चार (ii) **संयोजन व्यवस्था / सौंदर्य विशेषताएँ** -मूर्ति यथार्थवादी शैली में निर्मित है। मानव शरीर रचना (Anatomy) का अत्यंत सूक्ष्म एवं सजीव चित्रण किया गया है। कठोर परिश्रम के कारण उभरी हुई मांसपेशियाँ स्पष्ट दिखाई देती हैं। चारों श्रमिकों के सामूहिक प्रयास को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया है। तिरछी रचना शक्ति और गतिशीलता उत्पन्न करती है। चेहरे के भाव संघर्ष, श्रम और दृढ़ संकल्प को व्यक्त करते हैं। (iii) **मूल्य तथा प्रासंगिकता** -एकता, श्रम की गरिमा , श्रमिकों के प्रति सम्मान ,मजदूर दिवस (मई दिवस) की प्रासंगिकता	**6** **2** **2** **2**
15.	(i) चित्र का शीर्षक, माध्यम व विषयवस्तु – 2 **अंक**(½ अंक , ½ अंक ,1 अंक) (ii) संयोजन – 2 **अंक** (iii) रंग योजना व मूल्य – 2 **अंक** **(i) चित्र का शीर्षक** – माँ और शिशु **माध्यम** – जलरंग / टेम्परा / गौश रंग कागज़ पर **विषय-वस्तु** – माँ अपनी गोद में शिशु को पकड़े हुए दिखाई गई है। चित्र में माँ के	**6** **2**

	स्नेह, ममता और संरक्षण भाव को दर्शाया गया है। (ii) **संयोजन** –Vertical (खड़ा चित्र) चेहरों का आकार कप जैसा है। मोटी एवं लयात्मक रेखाओं का प्रयोग किया गया है। पृष्ठभूमि न्यूनतम रखी गई है, जिसमें पुष्प, पत्ते लोक कला शैली में दिखाई देते हैं । आकृति में त्रिभंग मुद्रा का प्रयोग किया गया है, जिससे लय और सौंदर्य उत्पन्न होता है। (iii) **रंग योजना** –समतल, मृदुल व धरती के रंगों जैसे – भूरा, गेरुआ , सिंदूरी, हरा, काला एवं सफेद का प्रयोग। उभार और सौंदर्य बढ़ाने के लिए मोटी सफेद रेखाओं का प्रयोग किया गया है। **मूल्य** – माँ और बच्चे के बीच प्रेमपूर्ण एवं स्नेहिल संबंध। सरलता और पवित्रता का भाव। मातृत्व, पालन-पोषण एवं संरक्षण का प्रतीक।	**2** **2**
16.	(i) चित्र का शीर्षक, कलाकार, उपशैली व माध्यम – 2 **अंक** (½ अंक) (ii) संयोजन एवं लय - 2 **अंक** (iii) शैलीगत विशेषताएं एवं दृश्य गुण – 2 **अंक** **चित्र का शीर्षक** – नन्द, यशोदा और कृष्ण अपने सम्बंधियों के साथ वृन्दावन जाते हुए। **चित्रकार** – नैनसुख **उप-शैली** – कांगड़ा (पहाड़ी शैली) **माध्यम** – कागज़ पर जलरंग / टेम्परा (ii) **संयोजन एवं लय**- इस चित्र में लोगों का एक समूह अपने पशुओं, बैलगाड़ियों और सामान के साथ वृंदावन की ओर जाता हुआ दिखाया गया है। मनुष्यों, पशुओं और पक्षियों की गतियों को विभिन्न मुद्राओं में प्रभावशाली ढंग से चित्रित किया गया है। पेड़-पौधे और प्राकृतिक दृश्य चित्र में लय, संतुलन और विस्तार का अनुभव कराते हैं। पूरा समूह उल्लास और परस्पर प्रेम के भाव को दर्शा रहा है। (iii) **शैलीगत विशेषताएँ एवं दृश्य गुण** -चित्र में उच्च क्षितिज रेखा का प्रयोग किया गया है। रंगों का प्रयोग चमकीले तथा मिश्रित रूप में किया गया है। सभी पात्र लयात्मक गति में चलते हुए एक-दूसरे से संवाद करते हुए प्रतीत होते हैं। इसमें ग्रामीण जीवन की सादगी का चित्रण है, जहाँ लोग अपना सामान साथ लेकर यात्रा कर रहे हैं। पेड़-पौधों और प्राकृतिक दृश्य को सूक्ष्मता तथा यथार्थता के साथ दर्शाया गया है। इस प्रकार पहाड़ी चित्रकला में दृश्य कला के सिद्धांत एवं तत्व स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।	**6** **2** **2** **2**
	- o O o -	